Seat No. : _____

NF-116-H

December-2015

B.A., Sem.-V

CC-305 : Sociology

(EA : Rural Sociology)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

निर्देश : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. ग्रामीण समाजशास्त्र का अर्थ बताइए । उसकी विषयवस्तु की जानकारी दीजिए । **14**

अथवा

ग्रामीण समाजशास्त्र की उपयोगिता समझाइए ।

2. ग्रामीण समुदाय की विशेषताओं की चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

सामाजिक-सर्वेक्षण का अर्थ देते हुए, उसके लक्षणों की जानकारी दीजिए ।

3. ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था का स्वरूप स्पष्ट कीजिए । **14**

अथवा

ग्रामीणों के जीवन निर्वाह के ढंग की जानकारी दीजिए ।

4. ग्रामीण विकास में सहकारी प्रवृत्ति की भूमिका स्पष्ट कीजिए । **14**

अथवा

ग्रामीण समाज में परिवर्तन के सहायक परिबलों की जानकारी दीजिए ।

5. (a) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : **7**

(1) ग्रामीण समाजशास्त्र का उद्‌भव _____ में हुआ । (अमेरिका, भारत, चीन)

(2) 'इन्ट्रोडक्टरी रुरल सोसियोलाजी इन इंडिया' – पुस्तक के लेखक _____ हैं ।
(एस.सी. दुबे, ए.आर. देसाई, एम.एन. श्रीनिवास)

(3) गाँव एक _____ समुदाय है । (दूरवर्ती, प्राथमिक, औपचारिक)

(4) ग्रामीण समुदाय एक _____ है । (जीवनशैली, विचारसरणी, पद्धतिशास्त्र)

(5) कृषि क्षेत्र का आधुनिकीकरण का अर्थ _____ है ।
(भूमि सुधार, कृषि नीति, भूमि समस्या)

(6) समुदाय विकास कार्यक्रम वर्ष _____ में लागू हुआ ।
(1950, 1960, 1952)

(7) पंचायती राज का अर्थ _____ है ।
(लोकतंत्र केन्द्रीकरण, लोकतंत्र विकेन्द्रीकरण, परंपरागत सत्ता)

(b) युग्मों को सुमेलित कीजिए : **7**

A		**B**	
(1)	ग्रामीण समाजशास्त्र	(a)	इंजियाज चेंजिंग विलेजेज
(2)	1949	(b)	सामाजिक संशोधन पद्धति
(3)	एस.सी. दुबे	(c)	जीवन निर्वाह का ढंग
(4)	सामाजिक सर्वेक्षण	(d)	ग्रामीण समाज
(5)	खेती	(e)	भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र का परिचय
(6)	सहकारी प्रवृत्ति	(f)	ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन
(7)	समुदाय विकास योजना	(g)	ग्रामीण विकास

_____

Seat No. : _____

NF-116-H

December-2015

B.A., Sem.-V

CC-305 : Sociology

(EB : Sociology of Religion)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

निर्देश : (1) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(2) **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. धर्म के समाजशास्त्र का अर्थ देकर भारत में इसके उद्‌भव तथा विकास की चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

धर्म के समाजशास्त्र का कार्य-क्षेत्र समझाइए ।

2. धर्म के विभिन्न कार्यों तथा विकार्यों को समझाइए । **14**

अथवा

धर्म का अर्थ देकर धर्म की लाक्षणिकताओं की चर्चा कीजिए ।

3. मैक्स वेबर का धर्म के घटनाशास्त्रीय अर्थघटन की चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

एमाईल दुर्खिम का धर्म का कार्यात्मकवादी अर्थघटन की चर्चा कीजिए ।

4. ईसाई धर्म का अर्थ देकर, उसकी भारतीय समाज पर हुई असरों की जानकारी दीजिए । **14**

अथवा

हिन्दू धर्म का अर्थ देकर, उसकी मान्यताओं तथा आचरणों की जानकारी दीजिए ।

5. (a) नीचे लिखें वाक्य 'सत्य' अथवा 'असत्य' हैं दर्शाइए : **7**

(1) जोहन्सन ने धर्म की पाँच लाक्षणिकताएँ बताई हैं ।

(2) कुरान का विषय मानव है ।

(3) सामाजिक नियंत्रण का कार्य सामाजिक एकता को तोड़ने का है ।

(4) आधुनिक पूँजीवाद के विकास में हिन्दू धर्म का महत्त्वपूर्ण योगदान है ।

(5) इस्लाम धर्म के अनुसार जकात की पद्धति से आर्थिक असमानता दूर की जा सकती हैं ।
(6) हिन्दू धर्म का झुकाव सर्वेश्वरवाद की तरफ है ।
(7) समूह-जीवन ही धर्म की उत्पत्ति का मूल परिबल है ।

(b) 'A' को 'B' से सुमेलित कीजिए : **7**

A		**B**	
(1)	मसजिद	(a)	ईसाई धर्म की भारतीयकरण की प्रक्रिया
(2)	त्रिमूर्ति की कल्पना	(b)	भारतीय साधुओं का अभ्यास
(3)	मेण्डल बोम	(c)	पार-लौकिक मोक्ष प्राप्ति का साधन
(4)	डॉ. घूर्ये	(d)	इस्लाम का भक्तियोग
(5)	नमाज-रोजा	(e)	सामाजिक क्रिया
(6)	रहस्यवाद	(f)	बाइबिल
(7)	मैक्स वेबर	(g)	धार्मिक स्थल